RRB ALP & TECHNICIAN 2024 & झारखण्ड पुलिस भर्ती

Pilot Batch (CBT- 1&2)

सेवक बैच

HISTORY

उत्तर भारत के राजवंश

Part -2

LIVE 09-03-2024 09:00 AM

गहड़वाल वंश :-

⇒ प्रतिहार साम्राज्य के पतन के बाद कन्नौज व बनारस में जिस राजवंश का उदय हुआ है, उसे गहड़वाल वंश कहते हैं।

मूल निवास स्थल :- विन्ध्यांचल का पर्वतीय वन क्षेत्र

संस्थापक :- चन्द्र देव

राजधानी → कन्नौज

⇒ गहड़वाल वंश के राजाओं को काशी नरेश के रूप में भी जाना जाता है।

⇒ **मदनपाल (1104 – 1114 AD) :-** चन्द्रदेव का पुत्र था।

⇒ **गोविन्दचन्द्र :- 1114 – 1155 AD :-**

⇒ गहड़वाल वंश का सबसे शक्तिशाली शासक था, इसने मगध को जीतकर अपने साम्राज्य में मिलाया।

(Imp)

⇒ कृत्यकल्पतरू नामक ग्रंथ के रचियता लक्ष्मीधर, गोविन्दचन्द्र के दरबार में रहते थे।

⟶ कानून एवं नियमों पर आधारित

⇒ पत्नी :- कुमारदेवी

(Imp)

⇒ कुमारदेवी ने सारनाथ में धर्मचक्र जिन विहार का निर्माण करवाया था।

⇒ कुमारदेवी के सारनाथ लेख में गोविंदचन्द्र को विष्णु का अवतार बताया था, लेकिन व्यक्तिगत जीवन में गोविंदचन्द्र शैव धर्म के अनुयायी थे।

⇒ विजयचन्द्र (1155–1170 AD)

⇒ विजयचन्द्र के समय दिल्ली के क्षेत्र पर चौहानों ने अधिकार कर लिया।

⇒ जौनपुर में स्थित अटाला देवी मंदिर का निर्माण विजयचन्द्र ने करवाया था।

⇒ जयचन्द :- (1170–1194 AD) ⇒ गहड़वाल वंश का अन्तिम शक्तिशाली शासक था।

⇒ पुत्री :- संयोगिता → अपहरण :- दिल्ली व अजमेर के शासक पृथ्वीराज चौहान III ने

⇒ राजा जयचंद ने राजसूय यज्ञ किया था।

⇒ चन्दावर का युद्ध :- 1194 AD :- राजा जयचन्द व मुहम्मद गौरी के बीच → विजयी।

⇒ राजा जयचन्द को दलपुंगल भी कहा गया है

दिल्ली के चौहान वंश :-

→ उदय :- 7 वी शताब्दी

संस्थापक :- वासुदेव

⇒ बिजौलिया लेख में वासुदेव को सांभर झील का निर्माता माना जाता है।

⇒ पृथ्वीराज-चौहान 1 :- चौहान वंश का प्रथम स्वतंत्र शासक थे।

उपाधि :- महाराजाधिराज

⇒ अजयराज :- (1105 – 1133 AD)

⇒ अजमेर नामक नगर की स्थापना की थी।

राजधानी → अजमेर

⇒ अजयराज के काल को चौहानो के साम्राज्य निर्माण का काल कहा जाता है।

⇒ अर्णोराज :- (1133-1153 AD)

⇒ विग्रहराज चतुर्थ :- (1153 AD-1163 AD)

⇒ चौहान वंश का सबसे महत्वपूर्ण एवं शक्तिशाली शासक विग्रहराज चतुर्थ था।

⇒ दरबारी कवि :- सोमदेव :- नाटक :- ललितविग्रहराज नाटक की रचना

⇒ अजमेर में संस्कृत विद्यालय की स्थापना की थी -

⇒ विग्रहराज चतुर्थ काल का चौहानो का स्वर्णकाल कहलाता है।